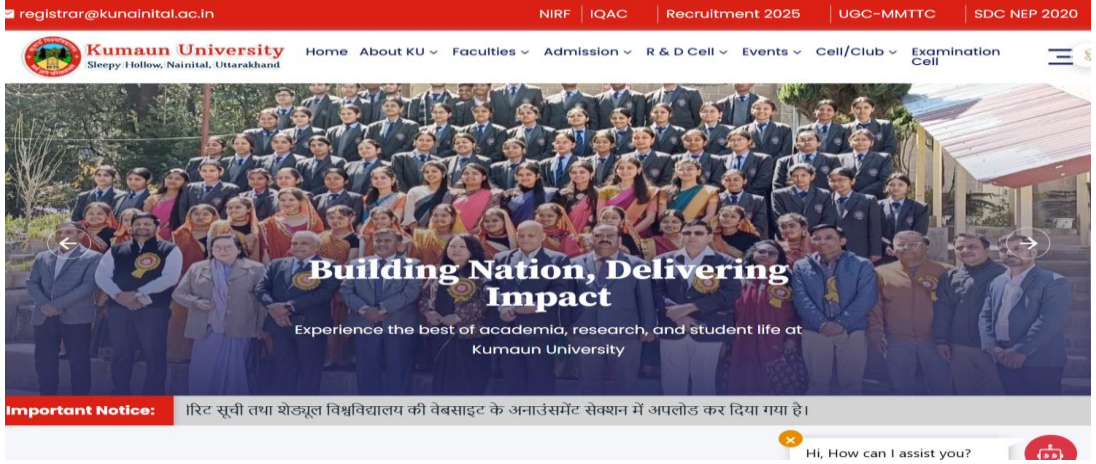

Annual Quality Assurance Report (AQAR) 2023-24

Criterion VI

Governance, Leadership and Management

6.2.1
Institutional Strategic Plan

New Initiatives

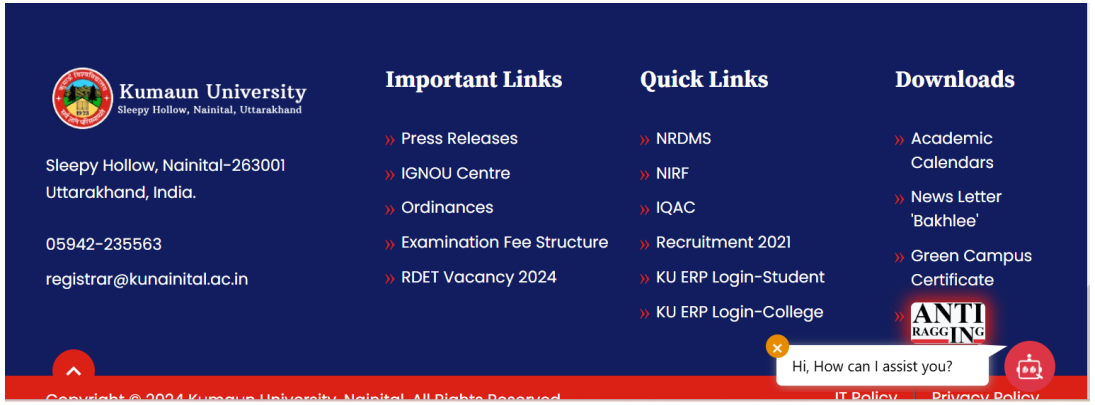

2.4 Establishment of Biofloc Fish Technology Center and Hydroponic Research Center, DSB Campus

नैनी झील का ईको सिस्टम सुधारेगा स्नो ट्राउट

- बायोफ्लाक फिश टेक्नोलाजी का किया जाएगा
- दिल्ली के किरोड़ीमल कालेज के एसोसिएट प्रोफेसर डो. आइएम लुकराम ने सुझाया तरीका

कुमाऊं विश्वविद्यालय की ओर से नैनी झील में शिकारी मछली कामन कार्प की संख्या बढ़ने के कारण बिगड़ रहे जलीय पारिस्थितिकीय तंत्र (ईको सिस्टम) को पुनर्जीवित करने के लिए अभिनव प्रयोग शुरू हो रहा है। विवि की ओर से झील में बेहद कम रह चुकी साइजोथेरेक्स या स्नो ट्राउट मछली की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके लिए विवि के जंतु विज्ञान विभाग के समीप बायोफ्लाक फिश टेक्नोलाजी सेंटर बनाया जा रहा है। प्रयोग सफल होने पर विश्वविद्यालय की स्थानीय लोगों के प्रशिक्षण के लिए कौशल विकास केंद्र स्थापित करने की भी योजना है। मौखिक सहमति भी दे दी गई है। प्रस्ताव जल्द मुहैया कराया जाएगा। नैनीताल से किशोर जोशी की रिपोर्ट :

नैनी झील। फाइल

15 प्रजातियों की मछलियों के साथ छोड़ी गई थी कामन कार्प

नैनी झील में आहारीय मछलियों की संख्या बढ़ रही है। इससे झील का पारिस्थितिकी तंत्र गड़बड़ा रहा है। झील में जलीय पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए 15 मछलियों की प्रजातियां जैसे महाशीर, बिग्हेड, स्नो ट्राउट, ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प, गम्बूसिया के साथ ही कामन कार्प भी छोड़ी गई थी।

यह केंद्र न केवल नैनी झील से विलुप्त हो चुकी मछलियों के संरक्षण का प्रयास करेगा, बल्कि छात्रों को उद्यमी बनने के लिए प्रशिक्षित भी करेगा।
-प्रोफेसर डीके रावत, कुलपति

To assist Kumaun University in setting up the Biofloc Fish Technology Center, Dr. I.M. Lukram, an expert in the field from Delhi University, was invited. This Biofloc Fish Technology Center will focus on the conservation and revival of fish species that have become extinct in Naini Lake. It will also play a crucial role in training students to become future entrepreneurs in the field of fish technology. This initiative promises to contribute significantly to both environmental conservation and entrepreneurial development.

Hydroponics is the art and science of growing crops in a soil-less manner. In hydroponics, plants are grown without soil by providing them with nutrient-rich solutions in water solvent. The main objective of hydroponics is to supply the ideal nutritional environment for optimum plant performance, further optimized by controlling the climate. It can feed the poor in India and around the world more effectively than conventional growing methods as there is approximately 80%reduction in consumption of water, harvest labour and harvest time compared to open-field farming.

Hydroponic lab has been established in the department of botany, D.S.B. Campus, Kumaun University, Nainital. Department is cultivating different vegetables and fruit crops in cocopeat, perlite and NFT Systems in hydroponic lab. Protocols have been standardized for the cultivation of spinach, strawberry, and tomato under hydroponics systems.

6.2.1
Institutional Strategic Plan

New Initiatives

2.10 Kumaun University launched Vidyasetu Yojana to strengthen academic collaboration and partnership with affiliated educational institutions

Kumaun University's Internal Quality Assurance Cell (IQAC) is taking initiatives to strengthen quality teaching, research standards, professional training, collaboration and partnership with its affiliated educational institutions under Vidyasetu Yojana. Under this, the departments of Kumaun University will share their labs and other facilities along with providing academic support to their affiliated colleges. Giving information regarding Vidyasetu Yojana, IQAC the University has started Vidyasetu Yojana which includes teacher visits, online training, skill development training and student exchange programs in colleges. As part of this scheme, 26 professors of Kumaun University will provide academic guidance to the affiliated educational institutions. Letters have been sent to the colleges and departments in this regard. There are some educational institutions affiliated to the university which do not have facilities and resources. Under the Vidyasetu scheme, such institutions will be selected and helped. He said that the affiliated institutions will also be linked to the research activities of Kumaun University. By helping each other in research, the institutions will be benefited and will get to learn a lot.

कुविवि में शुरू होगी विद्या सेतु योजना

सम्बद्ध कॉलेजों को मिलेगा अकादमिक सहयोग

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी) की ओर से विद्या सेतु योजना के तहत अपने सम्बद्ध शिक्षण संस्थानों के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, अनुसंधान मानक, पेशेवर प्रशिक्षण, सहयोग और साझेदारी को सुदृढ़ करने के लिये विद्या सेतु योजना शुरू की जा रही है। इसके तहत कुमाऊं विश्वविद्यालय के विभाग अपने सम्बद्ध कॉलेजों को अकादमिक सहयोग देने के साथ अपनी लैब व अन्य सुविधाओं को भी साझा करेंगे। विद्यासेतु योजना के संदर्भ में जानकारी देते हुए आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. संतोष कुमार ने बताया कि विद्यासेतु योजना में शिक्षकों का दौरा, ऑनलाइन प्रशिक्षण, कौशल विकास प्रशिक्षण और कॉलेजों में छात्र विनिमय कार्यक्रम शामिल हैं। इस योजना के हिस्से के रूप में, कुमाऊं विश्वविद्यालय के 26 प्राध्यापक सम्बद्ध शिक्षण संस्थानों का अकादमिक मार्गदर्शन करेंगे। इस सन्दर्भ में कॉलेजों व विभागों को पत्र भेजा जा चुका है। बताया कि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कुछ ऐसे भी शिक्षण संस्थान हैं जिनके पास सुविधाएं व संसाधन नहीं हैं। विद्यासेतु योजना के तहत ऐसे संस्थानों का चयन करके उनकी मदद की जाएगी। उन्होंने बताया कि सम्बद्ध संस्थानों को कुमाऊं विश्वविद्यालय की शोध गतिविधियों से भी जोड़ा जाएगा। एक दूसरे की शोध एवं अनुसन्धान में मदद करने से संस्थानों को आपस में लाभ होगा और काफी कुछ सीखने को मिलेगा।

6.2.1
Institutional Strategic Plan

New Initiatives

2.3 Directorate of Visiting/Honorary Professors established in the University

To honor scholars for their significant contributions to the field of knowledge and to tap into the expertise of distinguished academicians, Kumaun University has established the Directorate of Visiting/Honorary Professors under the visionary leadership of Vice Chancellor Prof. Diwan Singh Rawat. This innovative initiative aims to foster academic collaboration and innovation by offering honorary professorships to foreign academicians, industry experts, and professionals. Additionally, visiting professorships are being extended to Indian professors, civil servants, judges, and Indian armed force officers.

A dedicated funding provision has been created to support these positions, ensuring that the university benefits from diverse knowledge streams and fresh perspectives. This initiative is set to enhance academic and research collaboration within and beyond the country, promoting the exchange of ideas and fostering creativity and innovation across disciplines. Through this strategic move, Kumaun University aims to cultivate an environment of academic excellence and global engagement, positioning itself as a hub for cutting-edge research and interdisciplinary thought.

6.2.1
Institutional Strategic Plan

New Initiatives

2.9 'Library Champion' award started to encourage regular use of libraries, three students who regularly study in the library and register maximum attendance will be awarded

Kumaun University, Nainital, under the guidance of Chancellor Prof. Diwan S. Rawat, has introduced the 'Library Champion' Award to encourage students to regularly utilize library facilities. The award will recognize three students who achieve the highest attendance and demonstrate consistent study habits in the libraries of the University, including the DSB Campus Library, Sir JC Bose Campus Library, and Major Rajesh Adhikari Central Library.

To motivate students, the University has decided to introduce a competitive element through the 'Library Champion' Award. The awardees will be honoured with prizes as a token of appreciation for their dedication to regular study and learning.

For effective implementation, the University administration has directed campus directors and librarians to systematically record and monitor students' library attendance.

नेक पहल : कुमाऊं विवि के तीनों पुस्तकालयों में अधिक समय बिताओ और पाओ इनाम

- पुस्तकालय में नियमित रूप में पढ़ने व सर्वाधिक उपस्थिति दर्ज कराने वाले तीन छात्र-छात्राओं को मिलेगा लाइब्रेरी चैंपियन पुरस्कार
- बोले : कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत

आज समाचार सेवा

नैनीताल। स्मार्टफोन और इंटरनेट की हर हाथ तक पहुंच हो जाने एवं नित नए मनोरंजक व आपस में जुड़ने के प्रोग्राम एप के आ जाने से किताबों की दुनिया सिकुड़ती जा रही है। डिजिटल युग में पढ़ने के तौर-तरीकों में भारी बदलाव के कारण पुस्तकों से छात्र-छात्राओं का नाता अब भले ही आज से एक दो दशक पहले वाला नहीं रह गया हो लेकिन नियमित अध्ययन तथा कैरियर निर्माण से लेकर जीवन के अन्य आयामों को समझने के वर्तमान दौर में पुस्तकों का नियमित अध्ययन बेहद जरूरी है। बता दें कि छात्र-छात्राओं को नियमित रूप से पुस्तकालय का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत द्वारा अभिनव पहल की जा रही है। विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर नैनीताल एवं सर जेसी बोस परिसर भीमताल के पुस्तकालयों के साथ-साथ मेजर राजेश अधिकारी केंद्रीय पुस्तकालय में नियमित रूप में पढ़ने एवं सर्वाधिक उपस्थिति दर्ज कराने वाले तीन छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा लाइब्रेरी चैंपियन पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इस पहल के सन्दर्भ में कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने बताया कि पुस्तकालय छात्रों को बौद्धिक तथा भावनात्मक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने वाले संसाधन और वातावरण प्रदान करके बचपन से वयस्कता तक सफल संक्रमण प्राप्त करने में सहायता करता है। अतः छात्र-छात्राओं का पुस्तकों का नियमित अध्ययन आवश्यक है। कुलपति प्रो. रावत ने बताया कि अधिकांश विद्यार्थी प्रतिस्पर्धा से प्रेरित होते हैं, खासकर अगर इसमें किसी प्रकार का पुरस्कार या सम्मान शामिल हो अतः छात्र-छात्राओं को नियमित रूप से पुस्तकालय का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु लाइब्रेरी चैंपियन पुरस्कार आरम्भ किया जा रहा है। कुलपति प्रो. रावत ने बताया कि इस संदर्भ में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा दोनों परिसर निदेशकों एवं पुस्तकालयाध्यक्ष को पुस्तकालय में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति को नियमित रूप से दर्ज कराने हेतु पत्र प्रेषित किया जा चुका है।

This initiative reflects Kumaun University's commitment to fostering a culture of reading and learning while maximizing the